भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश् वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

## प्रेस विज्ञप्ति

# ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने आईआईटी भुवनेश्वर का दौरा किया

**भुवनेश्वर, 30 सितंबर 2025:** भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त श्री फिलिप ग्रीन, ओएएम ने आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भुवनेश्वर का दौरा किया और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ती शैक्षणिक और अनुसंधान साझेदारी पर ज़ोर दिया। उनके साथ मंत्री-परामर्शदाता (शिक्षा एवं अनुसंधान) श्री जॉर्ज थिवोस और वरिष्ठ अनुसंधान एवं भ्रमण अधिकारी सुश्री एंजेलिना नायर भी मौजूद थीं। यह दौरा संस्थान की प्रमुख अनुसंधान प्राथमिकताओं और ओडिशा में व्यापक अनुसंधान एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की गहरी समझ हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।

इस अवसर पर आयोजित बातचीत के दौरान, उच्चायुक्त ने आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपद कर्मालकर के साथ-साथ डीन (पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय संबंध-प्रभारी) प्रोफेसर राजेश रोशन दाश, डीन (प्रायोजित अनुसंधान और औद्योगिक परामर्श) प्रोफेसर दिनाकर पासला, स्कूलों के प्रमुख, संकाय सदस्य और अनुसंधान और उद्यमिता पार्क (आरईपी) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस अवसर पर, प्रोफेसर कर्मालकर ने शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान, उद्योग-अकादमिक सहयोग, उद्यमिता विकास, शिक्षक शिक्षा और मानसिक कल्याण उपायों में संस्थान की अनूठी शक्तियों का परिचय देते हुए एक प्रस्तुति दी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत अब ऑस्ट्रेलिया में छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है, इसलिए नए परिसरों, ओडिशा सहित भारत में सहयोग और इस दिसंबर में भुवनेश्वर में होने वाली ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा और कौशल परिषद की बैठक के माध्यम से दो-तरफा शिक्षा साझेदारी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

चर्चा का मुख्य विषय संस्थान की शोध क्षमताओं को ओडिशा के आर्थिक कारकों और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ना था, साथ ही ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के संभावित क्षेत्रों की खोज करना भी था। ऑस्ट्रेलियाई संस्थानों के साथ पहले से ही शोध साझेदारी में लगे संकाय सदस्यों ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया।

इस यात्रा के दौरान, उच्चायुक्त ने संस्थान के केंद्रीय अनुसंधान एवं उपकरण सुविधा (सीआरआईएफ), अनुसंधान एवं उद्यमिता पार्क (आरईपी) और सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र (एसआईसीआरआईसी) सहित चुनिंदा अनुसंधान सुविधाओं का दौरा किया। इस यात्रा ने आईआईटी भुवनेश्वर के अनुसंधान एवं नवाचार पर ज़ोर और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को उजागर किया।यह यात्रा इस दिसंबर में भुवनेश्वर में होने वाली ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा एवं कौशल परिषद की बैठक से पहले हो रही है। उच्चायुक्त की आईआईटी भुवनेश्वर के साथ बातचीत से आपसी समझ मज़बूत होने और दोनों देशों के बीच शिक्षा, कौशल एवं अनुसंधान में विस्तारित सहयोग की नींव रखने की उम्मीद है।

---